दिनांक: 09/06/2022 पृष्ठ (8)

(अमर उजाला)

एम्स और आयुष विवि मिलकर करेंगे मरीजों की जांच व शोध

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय एवं एम्स के बीच हुआ समझौता

अमर उजाला ब्यूरो

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की कार्यकारी निदेशक डॉ. सुरेखा किशोर और आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया। अमर उजाला

गोरखपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के बीच बुधवार को चिकित्सा और शोध को बढ़ावा देने के लिए समझौता किया गया है। एम्स की कार्यकारी निदेशक. डॉ. सुरेखा किशोर और आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने समझौता पत्र एक-दूसरे को सौंपे। इस पहल के बाद अब दोनों संस्थान मिलकर मरीजों की जांच और शोध करेंगे।

प्रो. एके सिंह ने बताया कि रीढ़ की हड्डी में चोट, हड्डी रोग, लकवा, न्यूरोपैथी, योग, यूनानी आदि में प्राकृतिक चिकित्सा एवं पंचकर्म काफी लाभदायक हैं। एम्स में आए मरीजों पर इसका प्रयोग किया जाएगा।

पंचकर्म की पद्धति के जरिए मरीजों का इलाज किया जाएगा। इन मरीजों को तीन समूहों में बांटा जाएगा, जिससे की मरीजों की सही स्थिति की जानकारी मिल सके। इस काम में एम्स के डॉक्टरों का सहयोग लिया जाएगा। दोनों संस्थान मिलकर विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित करेंगे।

डॉ. सुरेखा किशोर ने कहा कि यह समझौता मौजूदा समय की जरूरत है। इससे आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा मिलेगा।

कोरोना कॉल में लोगों ने आयुर्वेद की ताकत भी देख ली है। इस मौके पर आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव आरबी सिंह, डॉ. नितिन मराठे, डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह, हरविलास आदि मौजूद रहे।